सबलं मनः हृदय चं
Tilam Sangh
तिलम संघ

तिलम संघ

1.	सहकारी विकास :–	प्राथमिक तिलहन उत्पादक सहकारी संस्थाओं का गठन एवं विकास। तिलहन उत्पादक कृषकों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु सहकारी आधार पर कार्य।
2.	प्रक्रियण एवं उपार्जन :–	सदस्यों के हितों को प्रभावित किये बिना सदस्यों तथा अन्य स्त्रोतों से प्राप्त/उत्पादित वस्तुओं का क्रय, एकत्रण, प्रक्रियण निर्माण, वितरण आदि।
3.	विपणन :–	अपने उत्पादों को स्वयं के या अन्य ट्रेडमार्क के नाम से विपणन करना।
4.	अन्य :–	संघ के उद्देश्यों एवं कार्यों को पूरा करने के लिये सामान्य रूप।